जूएँ की परेशानी

जानकारी एवं बचाव

जन स्वास्थ्य सहयोग

ग्राम व पोस्ट : गनियारी

जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

2010

सिर में जूएँ

सिर के बालों में जूँ की परेषानी बड़ी संख्या में होने वाली परेषानी है। जो प्रायः 4–15 साल से बच्चों में देखने में आती है। यह एक से दूसरे में बालों से बालों के संपर्क से फैलती है। बालों में गंदगी या सफाई के कमी से नहीं होता है। जूँ उड़ या तैर या कूद नहीं सकती है, सिर्फ एक बाल से दूसरे बाल तक चल सकती है। जूँ के कारण सिर में अत्यंत खुजली हो सकती है।

कैसे पता करें कि जूँ की परेशानी है?

यदि बार–बार खुजली हो तो यह जूँ की संभावना की तरफ इषारा करती है। देखने के लिए एक पतले दांत वाली कंघी से बालों में चलाने से सफेद कागज या कपड़े पर इसको देख सकते हैं। कनपटी या गर्दन के बाल के पास प्रायः अधिक दिखती है। जूँ के अण्डे (लीखें) बालों की जड़ के पास प्रायः दिख जाते हैं।

क्या इसका उपचार संभव है?

हाँ संभव है, लेकिन थोड़ा मुष्किल है। इसका उपचार के लिए लिडेंन लोषन घोल का 5 मि.ली. लें और उसे कोई भी ष्षैम्पू मिला

कर, 5 मिनट तक गीले बाल में लगाकर रखें। इसके बाद पानी से धोने के बाद कंघी से बालों को सवारें जिससे मरी हुई जूँ बाहर आ जाएँ। 10 दिन बाद एक बार फिर यह उपचार करें जिससे बची हुई लीखें जो अब वयस्क जूँ बन गए हैं उन्हें भी मारा जा सके।

सिर्फ बाल गीले और साधारण षैम्पू लगाकर हर 2–3 दिन में एक बार बारीक दाँत वाली कंघी से बाल संवारने से बिना कोई दवा लगाने से भी जूँ की परेषानी दूर हो सकती है।

क्या बिस्तर या कपड़े धोने की आवश्यकता है?

जी नहीं। इसकी कोई आवष्यकता नहीं है। जूँ बिस्तर या कपड़ों में बहुत जल्दी स्वतः ही मर जाती है।

जूँ की परेशानी के लिए क्या रोकथाम कर सकते है?

- इसकी कोई पुखता रोकथाम का तरीका नहीं है, सिवाय इसके की आप अपने और अपने परिवार वालों के बालों की नियमित जाँच करें।
- यदि बाल लम्बे हैं तो उसे बांध कर रखें जिससे किसी और के बालों से संपर्क कम हो।

——:00:——

सहयोग राशि
व्यक्तिगत – 1 रू.
संस्थागत – 2 रू.